# स्टील प्लांट देगा हजारों परिवारों को संजीवनी

## दो हजार को प्रत्यक्ष और पांच हजार लोंगों को अप्रत्यक्ष मिलेगा रोजगार, मुख्यमंत्री कल करेंगे उद्घाटन

अमर उजाला ब्यूरो

**गोरखपुर।** छह साल पहले तक जिस गीडा में निवेश करने से निवेशक कतराते थे, बदले माहौल में वहां बड़ी इंडस्ट्री लगने का सिलसिला शुरू हो गया है। रविवार को सीएम योगी अंकुर उद्योग लिमिटेड के इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट का उद्घाटन करेंगे। प्लांट के पूरी क्षमता से संचालित होने के बाद दो हजार लोगों को प्रत्यक्ष और पांच हजार लोगों को परोक्ष रोजगार मिलेगा। इससे सात हजार परिवारों को संजीवनी मिलेगी।

गीडा की तरफ से एएल-2 सेक्टर-23 में आवंटित 82 एकड़ क्षेत्रफल में फैले और 550 करोड़ रुपये के निवेश वाले इस प्लांट की स्थापना का कार्य 2020 में शुरू हुआ था। इसमें टीएमएक्स (थरमैक्स पॉवर्ड) सरिया का उत्पादन शुरू हो चुका है। इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट की उत्पादन क्षमता तीन लाख टन प्रति वर्ष की है।

वहां 30 मेगावाट बिजली भी पैदा होगी। अंकुर उद्योग लिमिटेड ने प्लांट के विस्तार के लिए 700 करोड़ रुपये के निवेश का मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) भी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में किया है।

कंपनी ने डेढ़ किलोमीटर ट्रैक की लंबाई में प्राइवेट रेलवे साइडिंग विकसित किया है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से कच्चा माल मंगाने के लिए फैक्ट्री परिसर में 700 मीटर की लंबाई में अनलोडिंग प्लेटफार्म भी बनाया गया है। यहां टीएमएक्स बार का उत्पादन हो रहा है, जो टीएमटी का बदला हुआ और बेहतर रूप है।

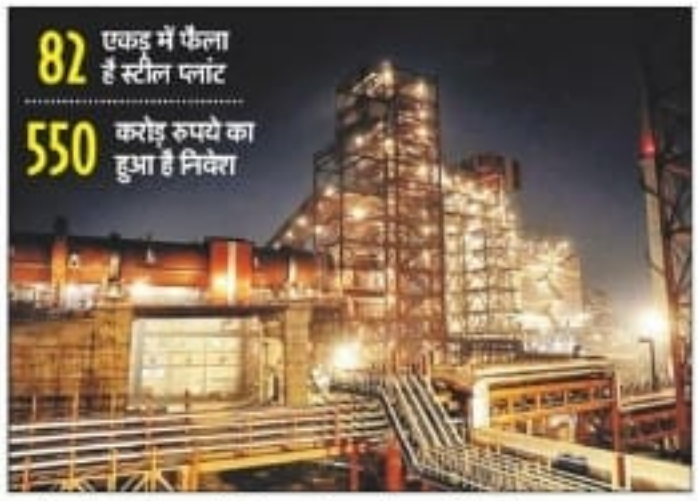




गीडा में स्थापित इसी स्टील प्लांट का सीएम योगी करेंगे उद्घाटन। संवाद

**बदल रहा है गोरखपुर**

### कचरे से हो रहा ऊर्जा की जरूरत का 65 फीसदी उत्पादन : अशोक जालान

अंकुर उद्योग समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अशोक जालान का कहना है कि फैक्ट्री संचालन के लिए ऊर्जा की संपूर्ण जरूरत यहीं के कैप्टिव पॉवर प्लांट से पूरी हो रही है। खास बात यह है कि ऊर्जा उत्पादन का 65 फीसद हिस्सा फैक्ट्री के ही कचरे से ही मिल रहा है। इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट में स्पंज आयरन प्लांट की क्षमता 212500 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष, स्टील मेल्ट शॉप/इंडक्शन फर्नेस की क्षमता 300300 मीट्रिक टन तथा सरिया रोलिंग मिल की क्षमता 291300 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने निवेशकों की सुरक्षा, प्रोत्साहन सुविधा व सहूलियत के लिए कारगर कदम उठाए हैं।

इन्वेस्टर्स समिट में जो भी प्रस्ताव मिले हैं, उनको धरातल पर उतारने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। गीडा में लैंड बैंक की कोई दिक्कत नहीं है। पर्याप्त लैंड बैंक गीडा के पास इस वक्त मौजूद है। नियमानुसार सभी उद्यमियों को जमीन भी उपलब्ध कराई जा रही है।

– पवन अग्रवाल, सीईओ, गीडा

### निवेश के ये बड़े करार जमीन पर उतरे तो युवाओं को जिले में ही मिलेगा रोजगार

- ग्रीन अमोनिया प्लांट के लिए मेसर्स अवाडा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (निवेशक प्रवीण गोलाश) की तरफ से 22,500 करोड़ रुपये।
  **रोजगार सृजन 10,000**
- पेपर मिल प्रोजेक्ट के लिए आरजी स्ट्रेटजी ग्रुप (निवेशक प्रवीण गोयल) की तरफ से 2935 करोड़।
  **रोजगार सृजन 2200**
- कांडला-गोरखपुर एलपीजी पाइप लाइन के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन (निवेशक संजीव कक्कड़) की तरफ से 1800 करोड़।
  **रोजगार सृजन 50**
- सोलर एनर्जी पार्क के लिए आरजी स्ट्रेटजी ग्रुप (निवेशक प्रवीण गोयल) की तरफ से 1,772 करोड़ रुपये।
  **रोजगार सृजन 1200**
- बांस आधारित उत्पाद के लिए आर्टिजन एग्रोटेक (निवेशक देवोपम मुखर्जी) की तरफ से 1400 करोड़ रुपये।
  **रोजगार सृजन 8300**
- एथेनाल और डिस्टलरी के लिए केयान डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड (निवेशक विनय कुमार सिंह) की तरफ से 1,200 करोड़।
  **रोजगार सृजन 700**
- कार्बोनेटेड ड्रिंक, फ्रूट पल्प प्लांट के लिए वरुण बेवरेजेज (निवेशक कमलेश कुमार जैन) की तरफ से 1,071 करोड़।
  **रोजगार सृजन 250**
- इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट विस्तार के लिए अंकुर उद्योग (निवेशक निखिल जालान) की तरफ से 700 करोड़।
  **रोजगार सृजन 800**
- रेसिडेंशियल डेवलपमेंट के लिए केके कंस्ट्रक्शन (निवेशक जगदीश आनंद) की तरफ से 600 करोड़।
  **रोजगार सृजन 600**
- टेक्निकल टेक्सटाइल के लिए केअर प्राइवेट लिमिटेड (निवेशक गौरव बथवाल) की तरफ से 500 करोड़ रुपये।
  **रोजगार सृजन 2000**
- ट्रांसपोर्टेशन बिजनेस के लिए इंडियन टेकर्स (निवेशक नौशाद आहमद) की तरफ से 400 करोड़।
  **रोजगार सृजन 40**
- आयरन एंड स्टील इंडस्ट्री के लिए जालान उद्योग लिमिटेड (निवेशक ओम प्रकाश जालान) की तरफ से 400 करोड़ रुपये।
  **रोजगार सृजन 600**
- ग्रेन प्लांट आदि के लिए इंडिया ग्लाइकोल लिमिटेड (निवेशक सुनील मिश्रा) की तरफ से 400 करोड़ रुपये।
  **रोजगार सृजन 1200**
- कैंसर हॉस्पिटल के लिए हनुमान प्रसाद पोद्दार स्मारक समिति (निवेशक रसेंदु फोगला) की तरफ से 325 करोड़ रुपये।
  **रोजगार सृजन 750**
- ट्रांसपोर्टेशन एंड वेयर हाउसिंग के लिए मेडलियन ट्रान्सलिंक (निवेशक संतोष कुमार-जगदीश दूबे) की तरफ से 300 करोड़।
  **रोजगार सृजन 350**
- फाइव स्टार होटल के लिए एडी एस्टेट डेवलपर्स (निवेशक शोभित मोहन दास) की तरफ से 300 करोड़।
  **रोजगार सृजन 600**
- टेक्सटाइल पार्क के लिए एबीएआर पेट्रो प्रोडक्ट्स (निवेशक अशोक कुमार शॉ) की तरफ से 300 करोड़।
  **रोजगार सृजन 2000**
- टेक्सटाइल यूनिट के लिए जालान पालिटेक्स लिमिटेड (निवेशक कविता जालान) की तरफ से 250 करोड़।
  **रोजगार सृजन 2750**
- मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के लिए रिजेंसी हास्पिटल लिमिटेड (निवेशक अतुल कपूर) की तरफ से 200 करोड़।
  **रोजगार सृजन 1200**
- हैवी इंजीनियरिंग प्लांट के लिए आरबीएम इंफ्राकान (निवेशक जय बजरंग मणि त्रिपाठी) की तरफ से 200 करोड़ रुपये।
  **रोजगार सृजन 500**
- प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए तत्वा प्लास्टिक पाइप्स प्रा. लि. (निवेशक राजीव खट्टर) की तरफ से 200 करोड़ रुपये।
  **रोजगार सृजन 200**
- हास्पिटल एंड पैरा मेडिकल इंस्टिट्यूट के लिए सेंट्रल एकेडमी एजुकेशनल सोसाइटी (निवेशक संजय मिश्रा) की तरफ से 200 करोड़।
  **रोजगार सृजन 2025**
- ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट के लिए रुद्रा गैस इंटरप्राइजेज प्रा. लि. (निवेशक कुश पटेल) 200 करोड़।
  **रोजगार सृजन 100**
- रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट के लिए एप्रा लाइफ स्पेस (निवेशक अतुल सराफ) की तरफ से 200 करोड़।
  **रोजगार सृजन 100**
- रीसाइक्लिंग टेक्नोलाजी के लिए एसडी इकोस्फीयर प्रा. लि. (निवेशक विनय अग्रवाल) की तरफ से 158 करोड़।
  **रोजगार सृजन 300**
- बस बाडी फैब्रिकेशन प्लांट के लिए कीर्ति इंटरप्राइजेज (निवेशक अरुणेश शाही) की तरफ से 150 करोड़।
  **रोजगार सृजन 125**

# जमीन मिली होती तो चलते कई कारखाने

### गीडा : साल 2018 के इन्वेन्टर्स समिट में 1500 करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले थे धरातल पर नहीं उतर पाए कई बड़े उद्योग

अमर उजाला ब्यूरो

**गोरखपुर।** गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में बड़ी इंडस्ट्री लगाने के लिए पहले भी कई उद्यमी आगे आए, लेकिन गीडा प्रशासन जमीन नहीं दे पाया तो परियोजनाएं धरातल पर नहीं उतर सकीं। जमीन न मिलने की वजह से उद्यमी गीडा छोड़कर दूसरी जगहों पर इंडस्ट्री लगाने चले गए।

साल 2018 के इन्वेस्टर्स समिट में करीब 1500 करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले थे। इनमें यूपी पॉवर प्राइवेट लिमिटेड (ट्रांसफार्मर), समानी बिल्डिंग प्रोडक्टस, श्री लक्ष्मीजी एग्रो (ऑयल सीड्स प्रोसेसिंग), सूर्या उद्योग (डिस्पोजल प्लास्टिक ग्लास एवं बर्तन), कॉन्टीनेंटल डेवलपर्स (होटल व्यवसाय), डियो इंडस्ट्रीज (कृषि उपकरण), एसडी पॉलीटेक (पॉलिस्टर स्टेपल फाइबर एंड स्पन यार्न), ग्रीन एनर्जी, ल्यूपिन इंडिया लिमिटेड, स्वप्निल फीड्स (कैटल फीड्स) जैसे बड़ी इंडस्ट्री के लिए करार हुआ था।

लेकिन, इसके लिए गीडा प्रशासन ने इन इंडस्ट्रियों को लगाने के लिए जमीन नहीं उपलब्ध करा पाई। इसकी वजह से ये इंडस्ट्री गीडा में आ नहीं सके।

इनमें कई बड़ी इंडस्ट्रिया दूसरे शहरों की तरफ रुख कर गईं। इसकी वजह से आर्थिक रूप से जिले को नुकसान तो हुआ ही साथ ही हजारों लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीदें भी खत्म हो गईं। जबकि, ल्यूपिन इंडिया लिमिटेड (दवा, सिरप) को जमीन नहीं मिली तो उसने अपनी फैक्ट्री सहारनपुर में लगा ली है।

इसके अलावा ग्रीन एनर्जी को जमीन नहीं मिली, तो उन्होंने अपने कदम पीछे खींच लिए। अन्य इंडस्ट्री का भी यही हाल रहा। हालांकि, गीडा प्रशासन का कहना है कि उस वक्त जो करार हुए थे उनमें अधिकांश को जमीनें उपलब्ध करा दी गई हैं। कुछ इंडस्ट्री भी शुरू कर दिए गए हैं। कुछ उद्यमी करार के बाद आगे नहीं आए।

CanCare